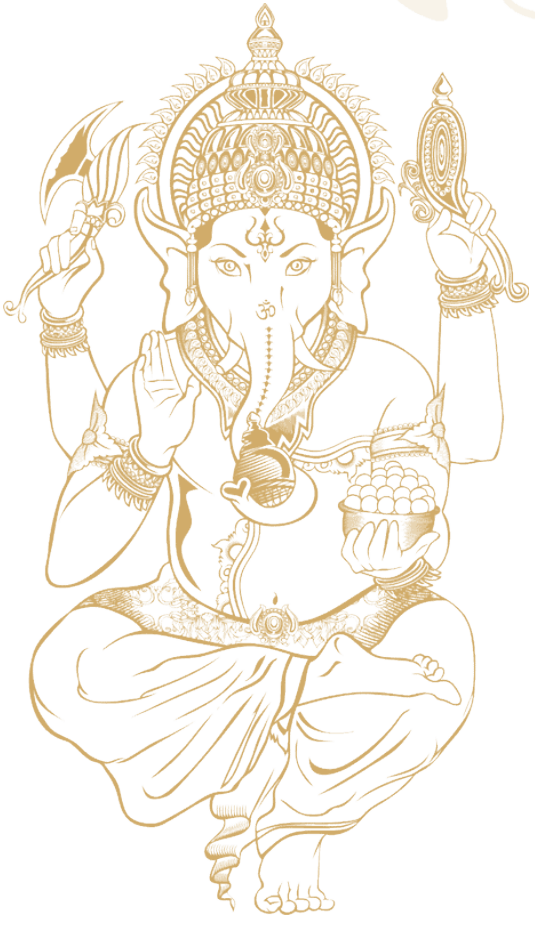

Ms Divya Branwal

02 Dec 2001

03:15 AM

Bokaro

Model: web-freekundliweb

Order No: 121035802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/12/2001**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**03:15:00 घंटे**
इष्ट	52:37:56 घटी
स्थान	**Bokaro**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:51:00 उत्तर
रेखांश	86:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:29:08 घंटे
वेलान्तर	00:11:00 घंटे
साम्पातिक काल	08:12:23 घंटे
सूर्योदय	06:11:49 घंटे
सूर्यास्त	16:58:01 घंटे
दिनमान	10:46:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:53:30 वृश्चिक
लग्न के अंश	06:09:09 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:09:09	322:53:15	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	15:53:30	01:00:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	28:51:24	13:36:56	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कुंभ	01:01:56	00:43:29	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	14:13:25	01:34:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:24:56	00:05:31	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	05:25:02	01:15:25	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि	व		वृष	17:44:22	00:04:55	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:16:02	00:00:17	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:16:02	00:00:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:27:44	00:01:36	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:40:06	00:01:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:01:18	00:02:18	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	06:59:51	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:44

लग्न-चलित

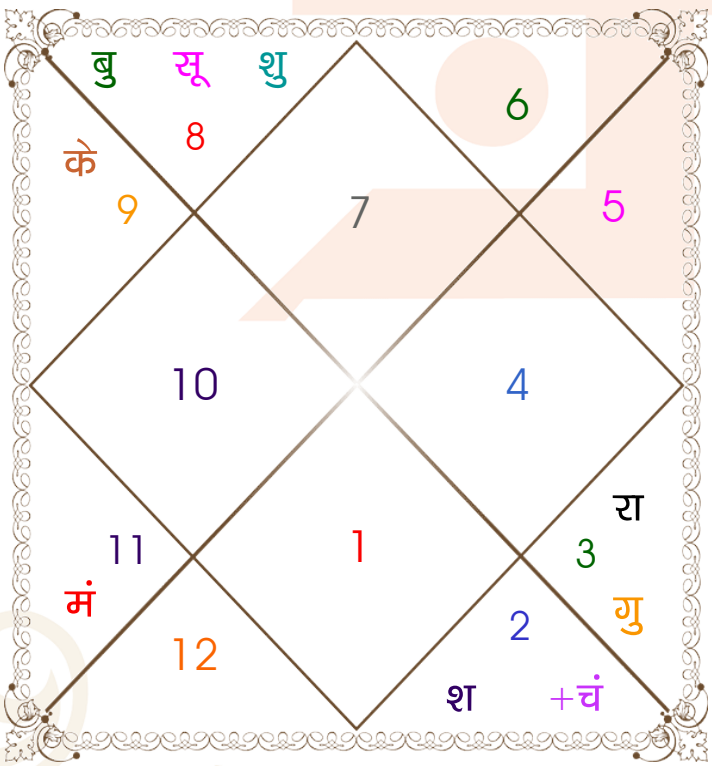

चन्द्र कुंडली

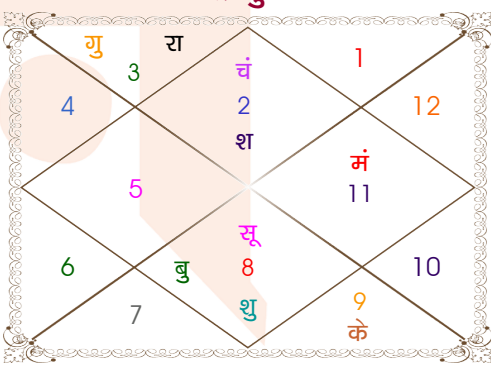

नवमांश कुंडली

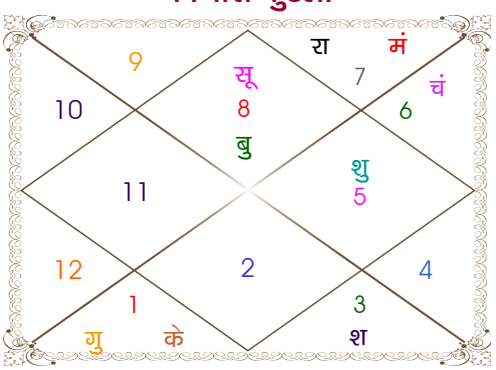

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 1 मास 6 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/12/2001		07/01/2006		08/01/2024		08/01/2040		08/01/2059	
07/01/2006		08/01/2024		08/01/2040		08/01/2059		08/01/2076	
	00/00/0000	राहु	19/09/2008	गुरु	25/02/2026	शनि	11/01/2043	बुध	05/06/2061
	00/00/0000	गुरु	13/02/2011	शनि	07/09/2028	बुध	20/09/2045	केतु	02/06/2062
	02/12/2001	शनि	20/12/2013	बुध	14/12/2030	केतु	29/10/2046	शुक्र	02/04/2065
शनि	09/07/2002	बुध	08/07/2016	केतु	20/11/2031	शुक्र	29/12/2049	सूर्य	07/02/2066
बुध	06/07/2003	केतु	27/07/2017	शुक्र	21/07/2034	सूर्य	11/12/2050	चंद्र	09/07/2067
केतु	02/12/2003	शुक्र	27/07/2020	सूर्य	09/05/2035	चंद्र	11/07/2052	मंगल	05/07/2068
शुक्र	31/01/2005	सूर्य	20/06/2021	चंद्र	07/09/2036	मंगल	20/08/2053	राहु	23/01/2071
सूर्य	08/06/2005	चंद्र	20/12/2022	मंगल	14/08/2037	राहु	26/06/2056	गुरु	30/04/2073
चंद्र	07/01/2006	मंगल	08/01/2024	राहु	08/01/2040	गुरु	08/01/2059	शनि	08/01/2076

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/01/2076		08/01/2083		09/01/2103		08/01/2109		09/01/2119	
08/01/2083		09/01/2103		08/01/2109		09/01/2119		00/00/0000	
केतु	05/06/2076	शुक्र	09/05/2086	सूर्य	28/04/2103	चंद्र	08/11/2109	मंगल	07/06/2119
शुक्र	05/08/2077	सूर्य	09/05/2087	चंद्र	28/10/2103	मंगल	09/06/2110	राहु	24/06/2120
सूर्य	11/12/2077	चंद्र	07/01/2089	मंगल	04/03/2104	राहु	09/12/2111	गुरु	31/05/2121
चंद्र	12/07/2078	मंगल	09/03/2090	राहु	26/01/2105	गुरु	09/04/2113	शनि	03/12/2121
मंगल	08/12/2078	राहु	09/03/2093	गुरु	14/11/2105	शनि	09/11/2114		00/00/0000
राहु	27/12/2079	गुरु	08/11/2095	शनि	27/10/2106	बुध	09/04/2116		00/00/0000
गुरु	01/12/2080	शनि	08/01/2099	बुध	03/09/2107	केतु	08/11/2116		00/00/0000
शनि	10/01/2082	बुध	08/11/2101	केतु	09/01/2108	शुक्र	10/07/2118		00/00/0000
बुध	08/01/2083	केतु	09/01/2103	शुक्र	08/01/2109	सूर्य	09/01/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 1 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।